समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

कामिनी कौशल के निधन से भावुक हुए अमिताभ बच्चन, ब्लॉग मे तेजी बच्चन और दिवंगत एक्ट्रेस के पुराने रिश्ते का किया ज़िक्र

Publisher

Published on 15 Nov 2025

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और स्वर्णिम युग की यादों को अपने अभिनय से संवर्धित करने वाली कामिनी कौशल के निधन ने फिल्म जगत को गहरे दुख में डूबो दिया है। 98 वर्ष की उम्र में 14 नवंबर 2025 को उन्होंने अंतिम सांस ली और अगले ही दिन उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी विदाई ने भारतीय सिनेमा में एक ऐसे अध्याय को विराम दे दिया है, जिसने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। इसी मौके पर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी गहरे भावुक हो गए। उन्होंने अपने ब्लॉग में कामिनी कौशल के साथ-साथ उनके परिवार और अपने परिवार के दशकों पुराने रिश्तों को याद करते हुए एक लंबा और मार्मिक पोस्ट लिखा।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, “और एक और क्षति... पुराने जमाने की एक खास फैमिली फ्रेंड... जब विभाजन नहीं हुआ था... कामिनी कौशल जी... एक महान कलाकार, एक आदर्श, जिन्होंने हमारी इंडस्ट्री में बहुत योगदान दिया और जो अंत तक हमारे साथ रहीं।” उनके शब्दों में न केवल शोक की सच्ची भावना थी बल्कि उन रिश्तों की गर्माहट भी थी, जो समय और पीढ़ियों की सीमाओं से परे थे।

अमिताभ ने आगे लिखा कि कामिनी कौशल का परिवार और उनकी मां तेजी बच्चन का परिवार विभाजन से पहले पंजाब में बेहद नजदीकी संबंध साझा करते थे। दोनों परिवारों की मित्रता इतनी गहरी थी कि कई पारिवारिक मौके और यादगार पल उन्होंने एक साथ बिताए थे। इसी रिश्ते की वजह से कामिनी कौशल बच्चन परिवार के अत्यंत प्रिय लोगों में शामिल थीं।

कामिनी कौशल का फिल्मी सफर हिंदी सिनेमा के स्वर्णकाल से शुरू हुआ था। 1940 और 1950 के दशक की वह उन अभिनेत्रियों में शामिल थीं, जिन्होंने महिला किरदारों को मजबूती, संवेदनशीलता और गहराई के साथ पेश किया। ‘शहीद’, ‘ज़िद्दी’, ‘अरुणोदय’ और ‘बिराज बहू’ जैसी फिल्मों में उनके अभिनय की चर्चा आज भी होती है। उन्होंने न सिर्फ अपनी सुंदर और सरल छवि से दर्शकों के दिल जीते, बल्कि उन्होंने यह भी साबित किया कि हिंदी सिनेमा की नायिकाएं सिर्फ ग्लैमर का प्रतीक नहीं, बल्कि

मजबूत कहानी का केंद्र भी हो सकती हैं।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में यह भी बताया कि उन्होंने कामिनी कौशल के साथ कई कामकाजी और निजी अवसरों पर समय बिताया था। वह अक्सर बच्चन परिवार के आयोजनों में शामिल होती थीं और तेजी बच्चन के बेहद करीब थीं। अमिताभ ने लिखा कि कामिनी कौशल का जाना एक व्यक्तिगत क्षति जैसा है, क्योंकि वह परिवार के इतने करीब थीं कि उनकी मौजूदगी हमेशा एक आत्मीयता का एहसास कराती थी।

उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में एक बेहद भावुक पंक्ति भी लिखी—"सभी छोड़कर जा रहे..." यह वाक्य न केवल कामिनी कौशल के निधन पर उनकी संवेदना का भाव प्रकट करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सिनेमा जगत के दिग्गजों के लगातार विदा लेने से एक पीढ़ी का इतिहास, उसकी संस्कृति और उसका अनुभव धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है।

कामिनी कौशल के निधन पर पूरे देश से श्रद्धांजलियों का सिलसिला जारी है। फिल्म जगत के कलाकार, निर्देशक और निर्माता उन्हें उस कलाकार के रूप में याद कर रहे हैं, जिसने भारतीय सिनेमा के शुरुआती दौर में अपनी जगह न केवल बनाई, बल्कि उसे सम्मान भी दिलाया।

उनके जाने के साथ एक युग का अंत हो गया, मगर उनका अभिनय, उनकी सादगी और सिनेमा के प्रति उनकी निष्ठा आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.